पाठ सूत्र सं० – 1

नाम-छात्राध्यापक–

कक्षा – 7 अ	कालांश – I

दिनाँक – 07/08/2020	समय – 40 मिनट

विषय – हिन्दी (पद्य)	विद्यालय –

प्रकरण – 'भिक्षुक'

सामान्य उद्देश्य –

(1-) छात्रों में आरोह-अवरोह एवं भावानुसार काव्योचित शैली में कविता-वाचन की क्षमता उत्पन्न करना।

(2-) कविता के अध्ययन के प्रति रुचि उत्पन्न करते हुए उनमें सौन्दर्यानुभूति की क्षमता उत्पन्न करना।

(3-) कवि की कल्पनाओं एवं अनुभूतियों के बोध की क्षमता का विकास करना।

(4-) कल्पना एवं सृजन-शक्ति के साथ काव्य-सौन्दर्य की परख और उसके विवेचन की क्षमता उत्पन्न करना।

(5-) भावनाओं के परिस्कार द्वारा उदात्त भावों का सम्वर्धन करना।

विशिष्ट उद्देश्य –

छात्रों में समाज के दीन-दुखियों एवं पीड़ितों के प्रति संवेदनशीलता का भाव भरना।

पूर्वज्ञान –

छात्र 'भिक्षुक' के विषय में सामान्य ज्ञान रखते हैं।

Page :
Date : / /

प्रस्तावना—

(1-) गरीब को खाना नहीं मिलता है तो वह क्या करता है?
(2-) धार्मिक - स्थानों पर पंक्तियों में कौन बैठकर भीख माँगता है?
(3-) एक भिखारी की वेश-भूषा कैसी होती है?

उद्देश्य कथन — आज हम लोग 'भिक्षुक' नाम पाठ का अध्ययन करेंगे।

प्रस्तुतीकरण — प्रस्तुत कविता को एक अन्विति में पढ़ा जायेगा।

आदर्श वाचन — छात्राध्यापक द्वारा प्रस्तुत कविता का काव्योचित शैली में आरोह-अवरोह के साथ वाचन किया जायेगा।

अनुकरण वाचन — छात्रों द्वारा आरोह-अवरोह के साथ वाचन किया जायेगा।

भावबोधात्मक प्रश्न —

(1-) रास्ते पर पछताते हुए कौन आता है?
(2-) लकुटिया टेक कर कौन चल रहा है?
(3-) उसकी झोली कैसी है?

शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान
पाण्डवपुर, ताखा, बलिया

Page :
Date : / /

(4) साथ में दो बच्चे कैसे हैं ?

(5) भूख से किसका पेट सूख गया है ?

शब्द-व्याख्या –

शब्द	अर्थ
भिक्षुक	भिखारी
पथ	रास्ता
लकुटिया	डण्डा
दया-दृष्टि	दया करने वाला
दाता	देने वाला

सौन्दर्यानुभूति –

(1) कलेजे के दो टुकड़ा कौन करता है ?
(2) भिक्षुक के पेट और पीठ दोनों मिलकर एक क्यों हो गये हैं ?
(3) वह मुँह फटी हुई झोली को क्यों फैलाता है ?
(4) बच्चे अपना पेट मलते हुए क्यों चल रहे हैं ?
(5) आँसुओं के घूँट पीकर क्यों रह जाते हैं ?
(6) "और दाहिना दया-दृष्टि पाने की ओर बढ़ाये" से क्या तात्पर्य है ?

पुनरावृत्ति –

(1) भिक्षुक लाठी टेकते हुए क्यों चल रहा है ?
(2) भिक्षुक अपनी फटी-पुरानी झोली का मुँह दूसरे

के सामने क्यों फैलाता है?

(3) दाता - भाग्य विधाता से क्या पाना चाहते हैं?

रसास्वादन पाठ - छात्राध्यापक द्वारा सम्पूर्ण कविता का काव्योचित शैली में वाचन किया जायेगा।

श्यामपट्ट कार्य — छात्राध्यापक कठिन शब्दों एवं भावों का लेखन कार्य यथा- समय श्यामपट्ट पर करेगा।

प्राचार्य
मीरा मेमोरियल महाविद्यालय
शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान
पाण्डेयपुर, ताखा, बलिया